VFS

Varta

बोल्युम II | एफवाई 19-20 | village.net.in

''हर बार महिलाए अपने लिए खड़ी होती है। संभवतः बिना इमे जाने और बिना इस दावे के कि वे सभी महिलाओं के लिए खड़ी होती हैं''
माया एंजेलो

चंद्रायन 2

इसरो को हमारा सलाम

सकारात्मकता ही प्रमुख है

प्रिय पाठक,

हम सभी जानते हैं कि अर्थव्यवस्था के लिए यह सब से बेहतर समय नहीं है। अप्रैल–दिसंबर की वृद्धि संख्या आरबीआई के अनुमान से पांच प्रतिशत कम है। ऑटो–सेक्टर में आई मंदी के कारण वृद्धि संख्या प्राथमिक से कम हुई है। जैसा कि हम जानते हैं कि भारत का एक संकीर्ण औद्योगिक–आधार है। जीडीपी में निर्माण क्षेत्र की भागीदारी 40 प्रतिशत के मुकावले सिर्फ 23 प्रतिशत है। मेरे अनुमान से अकेले ऑटो क्षेत्र में मंदी ने जीडीपी संख्या को दो प्रतिशत अंकों तक नीचे लुढका दिया है। रियल एस्टेट में छापी मंदी और बैंकिंग व वित्तीय सेवा क्षेत्र के आम तौर पर खराब स्वास्थ्य के कारण यह धारणा धीरे–धीरे प्रभावित हुई।

फिर भी मे आशावादी हूँ कि यह एक गुजरती हुई अवस्था है। इस आशावाद के पीछे निश्चित कारण हैं। सबसे पहले, गैर–निष्पादित परिसंपत्तियों (एनपीए) को कम करने का निरंतर प्रयास फल देने लगा है। राज्य बिजली वितरण उपयोगिताओं की ओर से बिजली जनरेटर के कारण भुगतान न करने पर की गई हालिया अव्यवस्था को जारी रखने के लिए भविष्य में वित्तीय अनुशासन को मजबूती देनी चाहिए। साथ ही उन्हें उपभोग वृद्धि करने के लिए बैंकों को नकदी उपलब्धता बढ़ाना और ब्याज दरें कम करनी चाहिए। अचल संपत्ति परियोजनाओं को प्रत्साहित करने के लिए केन्द्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमन की ओर से विशेष रूप से जारी किए गए स्ट्रेस्ड एसेट फंड के प्रति मे आशावान हूं।

डॉ. कुलदीप मायति
एमडी और सीईओ

विजन:

हमारा विजन हर भारतीय की आकांक्षा को पूरा करना है, उन्हें सशक्त बनाता है और उन्हें उद्यमी बनने में मदद करता है।

मिशन:

हमारा मिशन एक जिम्मेदार ऋणदाता और एक प्रदाता बनना है जो प्रभावी लागत पर डिजिटल के जरिए जनता की सभी वित्तीय जरूरतों को पूरा करता है।

असम मे बाढ़

असम के लिए बाढ़ कोई नया नहीं है। बह्मपुत्र घाटी का एक बहुत बड़ा हिस्सा प्रत्येक मानसून में बाढ़ के चपेट में आ जाता है। लेकिन 2019 के बाढ़ का दुःख असाधारण रुप से बहुत अधिक रहा। करीब एक लाख लोग असहाय हो गए और कम से कम 90 लोग मारे गए। हमारी 12 शाखाओं से उधार लेने बाले करीब 2500 लोग बाढ़ से प्रभावित थे। पैसे के भुगतान का समय बढ़ा कर वीएफएस पूरी तरह से प्रभावित लोगों के साथ खड़ा हे।

देश के सभी सार्वजनीन क्षेत्र (पीएसबी) की संख्या घटा कर 12 करने के लिए भारत सरकार ने 30 अगस्त को 10 बैंकों को चार बैंक समूह में विलय करने की घोषणा की। वर्ष 2017 में भारत में 27 पीएसबी थे। तब से अब तक का यह तीसरा और सबसे बड़ा बैंकों के विलय है। इस विलय से बैंकिंग परिचालन की लागत कम होने की उम्मीद है, जिससे वित्तीय लागत को कम करने में मदद मिलेगी।

इसके साथ ही भारत 1999 में एम नरसिम्हां कमेटी की सिफारिशों को पूर्ण रूप से लागू करने के काफी करीब पहूंच गया हैं । उक्त कमेटी ने महसूस किया था कि देश में 8 से 10 राष्ट्रीय बैंक होने चाहिए, जिनमें से 3 या 4 बैंकों का आकार अंतराष्ट्रीय स्तर का होना चाहिए।

बैंकों के नाम	कुल कारोबार	घरेलु शाखाएं	कर्मचारी संख्या
स्टेट बैंक ऑफ इंडिया	₹ 52.05 लाख करोड़	24000	257252
बैंक ऑफ बड़ौदा (बिजया बैक और देना बैक सहित)	₹ 16.13 लाख करोड़	9500	85000
बैंक ऑफ इंडिया	₹ 9.03 लाख करोड़	5000	48807
सेंट्रल बैक ऑफ इंडिया	₹ 4.68 लाख करोड़	4659	37162
इंडियन ओवरसीज बैंक	₹ 3.75 लाख करोड़	3220	31846
यूको बैंक	₹ 3.17 लाख करोड़	4000	24724
बैंक ऑफ महाराष्ट्र	₹ 2.34 लाख करोड़	1897	12932
पंजाब एण्ड सिंध बैंक	₹ 1.71 लाख करोड़	1559	9403
पीएनबी + ओबीसी + यूनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया	₹ 17.94 लाख करोड़	11437	100649
केनरा बैंक + सिंडिकेट बैंक	₹ 15.20 लाख करोड़	10342	89885
यूनियन बैक + आंध्र बैंक + कोरपोरेशन बैंक	₹ 14.59 लाख करोड़	9609	75384
इंडियन बैक + इलाहाबाद बैंक	₹ 8.08 लाख करोड़	6104	42814

३० अगस्त २०१९ को विलय

आर्थिक उत्तेजना

दुनिया आर्थिक मंदी की आशंका तजा रही है। भारत में अप्रैल–जून तिमाही में जीडीपी की वृद्धि दर घट कर पांच प्रतिशत हो गई है। यह पिछले छह वर्षों में सबसे कम जीडीपी वृद्धि है। कोर क्षेत्र की वृद्धि दर जुलाई में घट कर 2.1 प्रतिशत हो गई, जो पिछले साल जुलाई में 7.3 प्रतिशत थी। अर्थव्यवस्था में धन की आपूर्ति बढ़ाने और विकास को प्रत्साहित करने के लिए वित्तमंत्री निर्मला सीतारमन ने 23 अगस्त को सुधार और उपायों की घोषना की।

घोषणा की मुख्य विन्दुएं :

- अव तक के सभी लेकिन जीएसटी रिफंड का 30 दिन के भीतर भुगतान कर दिया जाएगा।
- भविष्य में जीएसटी रिफंड का भुगतान 60 दिनमें किया जाएगा।
- बैंक गृह और ऑटो ऋण सस्ता करेंगे और रेपो–रेट कट पर लाभ कर ऋण पास करेंगे।
- सार्वजनिक क्षेत्र के बैंको का 70,000 करोड़ रुपए का पुर्नपूंजीकरण किया जाएगा।
- राष्ट्रीय आवास बोर्ड के जरिए हाउसिंग फाइनेंस कंपनियो को अतिरिक्त 30,000 करोड़ की तरल सहायता की जाएगी।
- मार्च 2020 तक खरीदी गई कारे पंजीक्रण की पूरी अबधि के लिए परिचालन में बनी रहेगी।
- सरकारी विभाग पुराने बाहनों को बदलेंगे।
- स्टार्ट–अप्स और इनसके निवेशकों पर से एजेंल टैक्स हटा दिया जाएगा।
- एमएसएम के लिए वन टाइम सेटलमेन्ट होगा।

एमएफआई का धन प्रवाह

ऐसे समय में जब देश तरलता निचोडने की शिकायत कर रहा है, तब एमएफआई क्षेत्र का ऋण पोर्टफोलियो बढ़ते क्रम में है। सा–धन रिपोर्ट के अनुसार अप्रैल–जुन 2019-20 दौरान तिमाही दर तिमाही 9 प्रतिशत वृद्धि के साथ उद्योग का सकल ऋण पोर्टफोलियो (जीएलपी) 98107 करोड़ रुपए का है। उम्मीद की जा रही है कि जुलाई–सितंबर तिमाही में कुल ऋण का आंकड़ा 1,000,000 करोड़ पार कर जाएगा।

रात–दिन एनइएफटी

इलेकट्रॉनिक भुगतान प्रणाली को लोकप्रिय बनाने के लिए भारतीय रिजर्व बैक दिसंबर 2019 से(रात–दिन 24x7) एनइफटी उपलब्ध कराने का फैसला किया है।

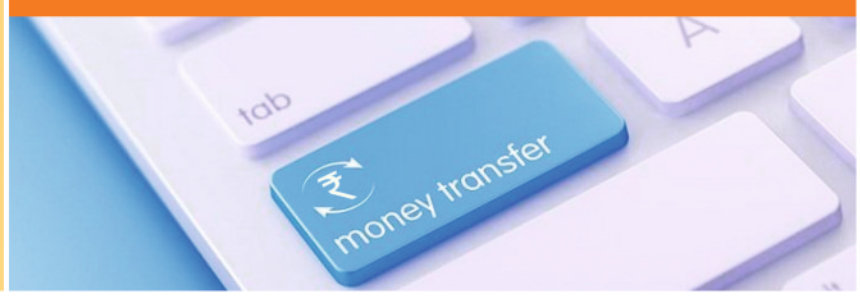

संगठनात्मक समाचार

शाखाओं के नेटवर्क का विस्तार

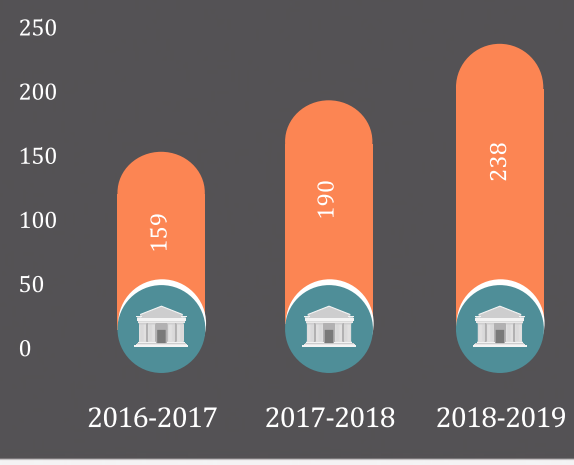

उधार लेने वाले

4,73,045

Q2FY 2019-20

जिले

75 Districts

Q2FY 2019-20

मूलधन वकाया

1026 Crores

Q2FY 2019-20

विकास

ग्राहकों की मांहो को पूरा करने के लिए निरंतर प्रयास से वीएफएस ने सफल पुनर्भुगतान के साथ मौजूदा उधार लेने वालों के लिए तथा उत्पाद विकास लाया है। यह एक साल की अवधि वाले उत्पाद वृद्धि और दो साल की अवधि वाले श्रीवृद्धि ऋण के बीच का है। विकास ऋण की अवधि डेढ़ साल की है, जो ग्राहकों को पर्याप्त सुरक्षा प्रदान करेगा। सितंवर में इसका शुभारंभ किया गया है। इसके तहत 11 राज्यों में फैले वीएफएस की शाखाओं से कर्ज दिया जाएगा। विकास योजनाओं के तहत दिसंबर तिमाही से 50 करोड़ रुपए का कर्ज वितरण किए जाने का अनुमान है।

उत्पाद की विशेषताः

उत्पादः 24,000-40,000 रुपए

प्रकारः समूह ऋण

अवधिः 18 महीना

व्यवहारिक क्षमता का अध्ययन

एक टीम और उसकी व्यवहारिक क्षमता के रुप में संगठन की उत्कृष्टता टीम के प्रदर्शन का एक महत्वपूर्ण पैरामीटर होता है। संयुक्त दायित्व पद्धति के जरिए ऋण देने वाली मुख्य वित्त कंपनी और ग्राहकों दोनो के लिए टीम का प्रदर्शन समान रुप से महत्वपूर्ण है।

अपने प्रदर्शन को वेहतर बताने के लिए आधुनिक एचआर तकनिकों का प्रयोग करने को इच्छुक वीएफएस ने कर्मचारियों के साथ साथ ग्राहकों की प्रतिस्पर्धा और क्षमता का आकलन करने के लिए पश्चिम बंगाल के अपनी कुछ चुनिंदे शाखाओं में प्रायोगिक योजना शुरु की है। यह प्रायोगिक परियोजना व्यक्तिगत ग्राहक या ग्राहकों के समूह की ऋण क्षमता का आकलन करने में वीएफएस को मदद करने में मानदण्ड होगी।

वीएफएस शक्ति

प्रकृति का एक स्त्रियोचित पहलु शक्ति सार्वभोमिक रचनात्मक बल है। वीएफएस शक्ति को कई नामों और रुपों में पूजता है। अनिमा, मंजुला, मीनाती, प्रतिमा और छवि में से प्रत्येक सिर्फ अपने लिए ही खड़ी नहीं हुई है, बल्कि हमारे आसपास की दुनिया को बदल रही हैं।

अनिमा दास (35) उत्तर 24 परगना जिले के कांचरापाड़ा की हैं। उन्होंने वीएफएस से चौथी बार ऋण ले कर जूट हस्तशिल्प का कारोबार फैलाया है।

मंजुला देवी (45) विहार के सहरसा की है और उन्होने वीएफएस से 30,000 रुपए ऋण ले कर पिछले साल डेयरी का कारोबार शुरु किया। उन्होंने चौथी बार ऋण लिया है।

मिनती स्वैन (38) ओडिशा के केवनझार के आनंदपुर की रहने वाली दर्जी का काम करती हैं। उन्होंने वीएफएस से 30,000 रुपए ऋण लिया है।

प्रतिमा घोष (48) हावड़ा के डोमजुड़ स्थित संखरिदह की रहे वाली है। वह मूर्ति बनाती है। वह पिछले सात साल से ऋण ले रही हैं और सफलता पूर्वक कारोबार को फैला रही हैं।

तीन बच्चों मां **छवि पंडित** पश्चिम बंगाल के हाबड़ा स्थित डोमजुड़ की मिट्टी के वर्तन वाली स्थपित महिला कारोबारी है। उन्होंने वीएफएस से तीन बार ऋण लिया है।

पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना स्थित श्यामनगर के चौरंगी की रहने वाली दो बच्चों की मां अल्पना घोष पांच साल पहले तक गृहणी थी और उनके पति साइकल की दुकान चलाते थे। उनका परिवार गरीब नहीं था, लेकिन बहुत धनी भी नहीं था। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि अपने जवानी के अधिकतर समय घर के काम में बीताने के बाद अल्पना कुछ अधिक रोमांचक करने के लिए बेचैन हो रही थी।

पांच साल पहले उन्होने अपने परिवार के घर में रेडीमेड वस्त्र की दुकान खोलने का फैसला किया। दुकान के लिए जगह की समस्या नहीं थी, लेकिन ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए रेडी मेड वस्त्रों का पर्याप्त स्टॉक करने के लिए पूंजी का अभाव जरुर था, जो कारोबार के लिए बहुत ही आवश्यक होता है। वह बैंकों से ऋण लेने के लिए भी योग्य नहीं थीं। लेकिन वीएफएस ने उन्हें मौका दिया।

अपने कारोबार की कार्यकारी पूंजी के लिए अल्पना घोष पिछले पांच साल से छोटे–छोटे ऋण ले रही हैं। प्रत्येक बार सफलता पूर्बक ऋण का भुगतान करने से उनमें बड़े लक्ष्य के लिए आत्मविश्वास जगा है। लेकिन मई 2019 में उस समय उसके जीवन में सुनहरा पल आया, जब बीएफएस ने सीमा पार कर कारोबार बढ़ाने के लिए उन्हें 80,000 रुपए का ऋण देने का प्रस्ताव दिया।

अल्पना अब अल्पना गार्मेंट्स का अभिमान और उसकी ब्यस्त मालकिन हैं। उन्होंने अपने कारोबार को सिर्फ अपने और अपने परिवार के लिए बड़ा नहीं किया, बल्कि अपने दो कर्मियों के लिए भी बनाया है।

कृपया इस पर हमारा अनुसरण करें:
VillageFinancialServices
VFSL

कृपया इस पर अपनी प्रतिक्रिया भेजें: ***contact@village.net.in***
फोन: *+91 33 6655 1414*
हमारे नवीनतम समाचार और अपडेट के लिए बने रहने के लिए कृपया हमारी आगामी रिलीज को पढ़े

डिसक्लेमर (अस्वीकरण)

यह दस्तावेज़ विलेज फाइनेंसियल सर्विसेस लिमिटेड की ओर से जारी किया गया है। इसमें समाहित की गई जो सूचनाएं विभिन्न सार्वजनिक दस्ताबेज़ों से ली गई है, जिन्हें हम विश्वसनीय मानते है, लेकिन सामग्री सत्यापित नहीं की गई है। वीएफएस इन सुचनाओं के सटिक होने की कोई गारंटी नहीं देता है, यह तथ्यात्मक विश्लेषणात्मक डेटा की त्रुटियों के लिए जिम्मेदार नहीं है ओर न ही हम किसी भी विशिष्ट, अप्रत्यक्ष या परिणामी नुकसान या क्षति के लिए उसरदायी होंगे। इस दस्तावेज़ ने विचार हमारे व्यक्तिगत निर्णय को स्थापित करता है। यह सामग्री निहायत ही निजी परिसंचरण के लिए है और सार्वजनिक वितरण के लिए नहीं है।